```
प्रसादस् [तु] प्रसन्नता।
```

- ² कलङ्काङ्को ^a लाञ्चनं [तु] चिङ्गं लक्ष्म [च] लत्तणं ^b॥ १६॥
- उ सुषमा [परमा शोभा]
- 4 शोभा कान्तिर् युतिष्र क्विः ।
- 5 अवश्यायस् [तु] नीहारस् तुषारस् तुहिनं हिमं॥ १६॥
- 6 प्रालेयं मिहिका d चा-
- 7 [-थ] व्सिनानी व्सिमंव्ति:।
- ८ शीतं [गुणे]
- 9 [तद्वदर्थाः] सुषीमः [°] शिशिशे जउः ॥ २०॥
- 10 तुषारः शीतलः शीतो व्हिमः [सप्नान्यलिङ्गकाः]।
- 11 ध्रुव ऋौत्तानपादिः [स्याद्]
- 12 ग्रगस्यः कुम्भसम्भवः॥ २१॥
- 13 मैत्रावरुणिर् h
- 14 [ऋस्यैव] लोपामुद्रा [सधर्मिणी]।
- 15 नक्षत्रम् ⁱ ऋक्षं भं तारा तार्कां-[-प्य्] उर्ड ^k [वा स्त्रियां] ॥ २२ ॥
- Pureté ou clarté. (2) Marque ou tache. (3) Beauté exquise. (4) Beauté ou splendeur. (5, 6) Gelée. (7) Glace et neige. (8) Froid, froidure. (9, 10) Froid. (11) Étoile polaire, ou le pôle nord lui-même. [Dans la mythologie Dhrouva est fils d'Outtânapâda, et conséquemment petit-fils du premier Manou. En astronomie Outtânapâda est β de la petite Ourse]. (12, 13) Agastya, régent de l'étoile Canopus. (14) Sa compagne. (15) Étoile.
- ै कलङ्क-मञ्जू: े Ou लह्मपां. े Aussi द्युती et इवी. े Ou महिका. े Aussi सुश्रीमः et सुसीमः. ' Les sept mots cités prennent les trois genres. ि Aussi म्रगस्तिः. े Ou वारुणिः. ' Ou नचत्रं. ' Fém. et neut.; aussi masc. तारः et तार्कः. ' Fém. उदुः ou उद्धी.